C.B.S.E कक्षा : 9

हिंदी (अ)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×3=6) (1×2=2) 8

दहेज-प्रथा का उद्भव कब और कहाँ हुआ यह कह पाना असंभव है। विश्व के विभिन्न सभ्यताओं में दहेज लेने और देने के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि दहेज का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। आज दहेज एक बुरे का रूप धारण करती जा रही है। इस दहेज प्रथा की बीमारी की जड़ एक तो काला धन है, दूसरे मनुष्य की लोभ की दुष्प्रवृत्ति इस कार्य को और प्रेरित करती है।

आज हमारी सरकारों द्वारा लड़कियों के उत्थान व विकास के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, रोजगार सहित विवाहोपरांत मदद भी शामिल है। यह सब इसलिए ताकि बेटियों के परिवारों को बेटियाँ बोझ न लगें और लड़कियाँ आत्मनिर्भर हो सकें। दहेज लेना और देना तो कानूनन अपराध है ही। सरकार ने भी दहेज प्रथा के विरूद्ध कानून बना दिया है। आज इस प्रथा के विरोध में कई जन-जागृति अभियान चलाए जा रहे हैं। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है। इसलिए आने वाले समय इस प्रथा का धीरे-धीरे समूल नाश हो ही जाएगा।

1. दहेज का इतिहास अत्यंत प्राचीन है यह हम कैसे कह सकते हैं?
2. वर्तमान में दहेज प्रथा के लिए स्थान क्यों नहीं बचता?
3. सरकार इस समस्या को निपटने के लिए क्या प्रयास कर रही है?
4. दहेज लेने के क्या कारण हो सकते हैं?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×3=3)

एक दिन भी जी मगर

एक दिन भी जी मगर तू ताज बनकर जी,
अटल विश्वास बनकर जी,
अमर युग-गान बनकर जी!
आज तक तू समय के पदचिह्न सा खुद को मिटाकर
कर रहा निर्माण जग हित एक सुखमय स्वर्ग सुंदर,
स्वार्थी दुनिया मगर बदला तुझे यह दे रही है-
भूलता युग गीत तुझको ही सदा तुझसे निकलकर,
'कल' न बन तू जिंदगी का 'आज' बनकर जी,
जगत सरताज बनकर जी,
जन्म से तू उड़ रहा निस्सीम इस नीले गगन पर,
किन्तु फिर भी छाँह मंजिल की नहीं पड़ती नयन पर,
और जीवन लक्ष्य पर पहुँचे बिना जो मिट गया तू-
जग हँसेगा खूब तेरे इस करुण असफल मरण पर,
ओ मनुज! मत विहग बन आकाश बनकर जी,
अटल विश्वास बनकर जी!
एक युग से आरती पर तू चढ़ाता निज नयन ही
पर कभी पाषाण क्या ये पिघल पाए एक क्षण भी,
आज तेरी दीनता पर पड़ रहीं नज़रें जगत की,
भावना पर हँस रही प्रतिमा धवल, दीवार मठ की,
मत पुजारी बन स्वयं भगवान बनकर जी!

अमर युग गान बनकर जी!

1. भारत माता के सपूत एक सुखमय सुंदर स्वर्ग का निर्माण कैसे कर रहे हैं?
2. कवि ने क्या बनकर जीने की चाह व्यक्त की है?
3. 'एक दिन भी जी मगर' कविता द्वारा कवि ने क्या संदेश दिया है?

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×2=4)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप-आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

1. किस चीज को कवि ने 'पशु-प्रवृत्ति' कहा है?
2. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

खंड - ख

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 1
घरेलू, रिक्शावाला

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए : 1
अतिरिक्त, उपग्रह

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए : 1
निरालस, अलविदा

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए : 1
लिपिक, मुखड़ा

ङ) निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें : 3
1. प्रत्येक गली 2. नीला कमल 3. सात दिनों का समाहार

च) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : 4
1. धूप में बड़ी गर्मी है।
2. आप क्या काम करते हैं?
3. उधर खड़े हो जाइए।
4. कदाचित आज वह नहीं आएगा।

छ) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए : 4
1. कानन कठिन भयंकर भारी, घोर घाम वारि बयारी।
2. जेते तुम तारे, तेरे नभ में न तारे हैं।
3. पीपर पात सरसि मन डोला।
4. पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो।

खंड - ग

प्र. 5. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (2+2+1)

अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्राय: दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेजे देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की। हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वही सब सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फ़ारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था।

क) लेखिका की स्थिति अन्य लड़कियों से अलग थी, कैसे?

ख) लेखिका के परिवार में कौन-सी भाषा जानते थे तथा किस भाषा का प्रचलन नहीं था?

ग) 'वातावरण' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 4 = 8

1. लेखक लंग्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गए थे?
2. हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्द चित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं?
3. लेखक के अनुसार जीवन में 'सुख' से क्या अभिप्राय है?
4. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती क्यों थी?

प्र. 7. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (1+2+2) = 5

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली

पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरके।

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।

क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी

'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

1. मेघ गाँव में किस प्रकार आए?
2. मेघ के आगे आगे कौन चल रहा/रही है? किसके घूँघट सरके और क्यों?
3. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 4=8

1. 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा' में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास मिलता है?
2. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?
3. 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?' कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?
4. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

प्र. 9. गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 4

खंड - घ

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 10

1. 'करत करत अभ्यास के**,** जड़मति होत सुजान।'
2. समुद्र तट की सैर

प्र. 11. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।

आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में

सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्तिथि की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

प्र. 12. दो स्त्रियों के बीच पानी की समस्या को लेकर बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए : 5

C.B.S.E कक्षा : 9

हिंदी (अ)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×3=6) (1×2=2) 8

दहेज-प्रथा का उद्भव कब और कहाँ हुआ यह कह पाना असंभव है। विश्व के विभिन्न सभ्यताओं में दहेज लेने और देने के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि दहेज का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। आज दहेज एक बुरे का रूप धारण करती जा रही है। इस दहेज प्रथा की बीमारी की जड़ एक तो काला धन है, दूसरे मनुष्य की लोभ की दुष्प्रवृत्ति इस कार्य को और प्रेरित करती है।

आज हमारी सरकारों द्वारा लड़कियों के उत्थान व विकास के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, रोजगार सहित विवाहोपरांत मदद भी शामिल है। यह सब इसलिए ताकि बेटियों के परिवारों को बेटियाँ बोझ न लगें और लड़कियाँ आत्मनिर्भर हो सकें। दहेज लेना और देना तो कानूनन अपराध है ही। सरकार ने भी दहेज प्रथा के विरूद्ध कानून बना दिया है। आज इस प्रथा के विरोध में कई जन-जागृति अभियान चलाए जा रहे हैं। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है। इसलिए आने वाले समय इस प्रथा का धीरे-धीरे समूल नाश हो ही जाएगा।

1. दहेज का इतिहास अत्यंत प्राचीन है यह हम कैसे कह सकते हैं?

   उत्तर : दहेज-प्रथा का उद्भव कब और कहाँ हुआ यह कह पाना असंभव है। विश्व के विभिन्न सभ्यताओं में दहेज लेने और देने के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि दहेज का इतिहास अत्यंत प्राचीन है।

2. वर्तमान में दहेज प्रथा के लिए स्थान क्यों नहीं बचता?

   उत्तर : लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है।

3. सरकार इस समस्या को निपटने के लिए क्या प्रयास कर रही है?

   उत्तर : आज हमारी सरकारों द्वारा लड़कियों के उत्थान व विकास के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, रोजगार सहित विवाहोपरांत मदद भी शामिल है। इस प्रथा को रोकने के लिए सरकार ने कड़े कानून भी बनाए है।

4. दहेज लेने के क्या कारण हो सकते हैं?

   उत्तर : दहेज लेने के कारण काला धन और मनुष्य की लोभ की दुष्प्रवृत्ति हो सकते हैं।

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'दहेज प्रथा का भविष्य' हो सकता है।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×3=3)

एक दिन भी जी मगर
एक दिन भी जी मगर तू ताज बनकर जी,
अटल विश्वास बनकर जी,
अमर युग-गान बनकर जी!
आज तक तू समय के पदचिह्न सा खुद को मिटाकर
कर रहा निर्माण जग हित एक सुखमय स्वर्ग सुंदर,
स्वार्थी दुनिया मगर बदला तुझे यह दे रही है-
भूलता युग गीत तुझको ही सदा तुझसे निकलकर,
'कल' न बन तू जिंदगी का 'आज' बनकर जी,
जगत सरताज बनकर जी,
जन्म से तू उड़ रहा निस्सीम इस नीले गगन पर,
किन्तु फिर भी छाँह मंजिल की नहीं पड़ती नयन पर,
और जीवन लक्ष्य पर पहुँचे बिना जो मिट गया तू-
जग हँसेगा खूब तेरे इस करुण असफल मरण पर,
ओ मनुज! मत विहग बन आकाश बनकर जी,
अटल विश्वास बनकर जी!
एक युग से आरती पर तू चढ़ाता निज नयन ही
पर कभी पाषाण क्या ये पिघल पाए एक क्षण भी,
आज तेरी दीनता पर पड़ रहीं नज़रें जगत की,
भावना पर हँस रही प्रतिमा धवल, दीवार मठ की,
मत पुजारी बन स्वयं भगवान बनकर जी!
अमर युग गान बनकर जी!

1. भारत माता के सपूत एक सुखमय सुंदर स्वर्ग का निर्माण कैसे कर रहे हैं?

   उत्तर : भारत माता के सपूत एक सुखमय सुंदर स्वर्ग का निर्माण खुद को मिटाकर कर रहे हैं।

2. कवि ने क्या बनकर जीने की चाह व्यक्त की है?

उत्तर : कवि ने आज का सरताज बनकर जीने की चाह व्यक्त की है।

3. 'एक दिन भी जी मगर' कविता द्वारा कवि ने क्या संदेश दिया है?

उत्तर : 'एक दिन भी जी मगर' कविता द्वारा कवि ने कर्मशील रहने का संदेश दिया है।

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×2=4)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप-आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

1. किस चीज को कवि ने 'पशु-प्रवृत्ति' कहा है?

उत्तर : कवि मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं कि जो मनुष्य केवल अपने लिए जीता है, उसका जीना पशु जैसा है। पशु केवल अपना पेट भरने के बारे में सोचते है जबकि मनुष्य परिवार, समाज तथा देश का सदस्य होता है जहाँ उसपर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ होती हैं। जो व्यक्ति केवल अपने जीवन तक ही सीमित रहते हैं, उनमें पशु-प्रवृत्ति होती है।

2. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

उत्तर : प्रत्येक मनुष्य समयानुसार अवश्य मृत्यु को प्राप्त होता है क्योंकि जीवन नश्वर है। इसलिए मृत्यु से डरना नहीं चाहिए बल्कि जीवन में ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे उसे बाद में भी

याद रखा जाए। उसकी मृत्यु व्यर्थ न जाए। जो केवल अपने लिए जीते हैं वे व्यक्ति नहीं पशु के समान हैं। जो मनुष्य सेवा, त्याग और बलिदान का जीवन जीते हैं और किसी महान कार्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं, उनकी मृत्यु सुमृत्यु कहलाती हैं।

खंड - ख

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 1

घरेलू, रिक्शावाला

उत्तर : एलू, वाला

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए : 1

अतिरिक्त, उपग्रह

उत्तर : अति, उप

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए : 1

निरालस, अलविदा

उत्तर : निर्+आलस, अल+विदा

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए : 1

लिपिक, मुखड़ा

उत्तर : लिपि+क, मुख+ड़ा

ड़) निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें : 3

1. प्रत्येक गली 2. नीला कमल 3. सात दिनों का समाहार

विग्रह	समस्त पद	समास
प्रत्येक गली	गलीगली	अव्ययीभाव
नीला कमल	नीलक़मल	कर्मधारय

सात दिनों का समाहार	सप्ताह	द्विगु

च) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : 4

1. धूप में बड़ी गर्मी है।
   उत्तर : विधानार्थक वाक्य

2. आप क्या काम करते हैं?
   उत्तर : प्रश्नार्थक वाक्य

3. उधर खड़े हो जाइए।
   उत्तर : आज्ञार्थक वाक्य

4. कदाचित आज वह नहीं आएगा।
   उत्तर : संदेहार्थक वाक्य

छ) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए : 4

1. कानन कठिन भयंकर भारी, घोर घाम वारि बयारी।
   उत्तर : अनुप्रास अलंकार

2. जेते तुम तारे, तेरे नभ में न तारे हैं।
   उत्तर : यमक अलंकार

3. पीपर पात सरसि मन डोला।
   उत्तर : उपमा अलंकार

4. पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो।
   उत्तर : रुपक अलंकार

खंड - ग

प्र. 5. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (2+2+1)

अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्राय: दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेजे देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की। हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वही सब सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फ़ारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था।

क) लेखिका की स्थिति अन्य लड़कियों से अलग थी, कैसे?

उत्तर : लेखिका की स्थिति अन्य लड़कियों से अलग थी क्योंकि उसे सम्मान मिला तथा अच्छी तरह पाला गया था।

ख) लेखिका के परिवार में कौन-सी भाषा जानते थे तथा किस भाषा का प्रचलन नहीं था?

उत्तर : लेखिका के परिवार में बाबा फ़ारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी तथा हिन्दी भाषा का प्रचलन नहीं था।

ग) 'वातावरण' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

उत्तर : वात + आवरण।

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 4 = 8

1. लेखक लंग्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गए थे?

उत्तर : लेखक लंग्कोर के मार्ग में अपने साथियों से दो कारणों से पिछड़ गए थे -

१) उनका घोड़ा बहुत सुस्त था। इस वजह से लेखक अपने साथियों से बिछड़ गया और अकेले में रास्ता भूल गया।

२) वे रास्ता भटककर एक-डेढ़ मील ग़लत रास्ते पर चले गए थे। उन्हें वहाँ से वापस आना पड़ा।

2. हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्द चित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं?

उत्तर : प्रेमचंद के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताएँ -

१) प्रेमचंद बहुत ही सीधा-सादा जीवन जीते थे वे गांधी जी की तरह सादा जीवन जीते थे।

२) प्रेमचंद के विचार बहुत ही उच्च थे वे सामाजिक बुराइयों से दूर रहे।

३) प्रेमचंद एक स्वाभिमानी व्यक्ति थे।

४) प्रेमचंद को समझौता करना मंजूर न था।

५) वे हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करते थे।

3. लेखक के अनुसार जीवन में 'सुख' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : लेखक के अनुसार, जीवन में 'सुख' का अभिप्राय केवल उपभोग-सुख नहीं है। विभिन्न प्रकार के मानसिक, शारीरिक तथा सूक्ष्म आराम भी 'सुख' कहलाते हैं। परन्तु आजकल लोग केवल उपभोग के साधनों को भोगने को ही 'सुख' कहने लगे है।

4. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती क्यों थी?

उत्तर : मैना अपने मकान को बचाना चाहती थी क्योंकि वह मकान उसकी पैतृक धरोहर थी। उसी में मैना की बचपन की, पिता की, परिवार की यादें समाई हुई थीं। वह उसके जीवन का भी सहारा हो सकता था। इसलिए वह उसे बचाना चाहती थी।

प्र. 7. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (1+2+2) = 5

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली

पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरके।

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।

क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

1. मेघ गाँव में किस प्रकार आए?

   उत्तर : मेघ गाँव में शहरी मेहमान (दामाद) की तरह सज-धजकर आए।

2. मेघ के आगे आगे कौन चल रहा/रही है? किसके घूँघट सरके और क्यों?

   उत्तर : मेघ के आगमन की सूचना देने उनके आगे-आगे बयार (हवा) प्रसन्नतापूर्वक चल रही है। नदी रूपी ग्रामीण स्त्री के घूँघट सरके ताकि वह तिरछी नज़र से मेघ रूपी मेहमान को देख सके।

3. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

उत्तर : मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी। पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगी।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 x 4=8

1. 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा' में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास मिलता है?

उत्तर : 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा' इस पंक्ति में कवि ने मानव प्रकृति का अति सूक्ष्म वर्णन किया है। यहाँ पर 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा' नगरीय सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण जीवन से है। इन पंक्तियों के द्वारा कवि यह कहना चाह रहा है कि सभी कुछ पाने के बाद भी मानव की इच्छाएँ कभी ख़त्म नहीं होती हैं।

2. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

उत्तर : बच्चे समाज का भविष्य, आईना और देश की प्रगति का एक अहम् हिस्सा होते हैं। यदि समाज के इस सबसे महत्त्वपूर्ण अंग को यदि आप उचित देखभाल और अवसर प्रदान नहीं करेगें तो समाज प्रगति कैसे करेगा। सभी बच्चे एक समान होते हैं, उन्हें उनके बचपन से वंचित रखना अपने आप में घोर अपराध तथा अमानवीय कर्म है। इसलिए बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान है।

3. 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?' कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?

उत्तर : बच्चों की इस स्थिति के लिए समाज जिम्मेवार है। समाज को इस समस्या से जागरूक करने के लिए तथा ठोस समाधान ढूँढने के लिए बात को प्रश्न रूप में ही पूछा जाना उचित होता है। क्योंकि यदि हम इन्हें विवरण की तरह पूछते हैं तो समस्या पर कोई ध्यान नहीं देता।

4. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

उत्तर : संगतकार अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा नहीं उठाता। जब मुख्य गायक गाते गाते थकान अनुभव करता है तो संगतकार उसे सहयोग देता है। जब गायन करते समय मुख्य गायक-गायिका अपनी लय को लाँघकर भटक जाते हैं तो संगतकार उस भटकाव को सँभालता है। गायन के समय यदि गायक-गायिका का स्वर भारी हो तो संगतकार अपनी आवाज़ से उसमें मधुरता भर देता है। यह उसकी मानवीयता है कि वह मुख्य गायक की श्रेष्ठता बनाए रखता है।

प्र. 9. गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर : गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए - इस कथन का आशय यह है कि गरीबों के रहने का आसरा नहीं छिनना चाहिए। माटीवाली जब एक दिन मजदूरी करके घर पहुँचती है तो उसके पति की मृत्यु हो चुकी होती है। अब उसके सामने विस्थापन से ज्यादा पति के अंतिम संस्कार की चिंता होती है, बाँध के कारण सारे श्मशान पानी में डूब चूके होते हैं। उसके लिए घर और श्मशान में कोई अंतर नहीं रह जाता है। इसी दुःख के आवेश में वह यह वाक्य कहती है।

खंड - घ

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 10

'करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।'

किसी विषय या कला में प्रवीणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है। अभ्यास द्वारा असंभव जान पड़ने वाले कार्य भी संभव हो जाते है। किसी लक्ष्य तक पहुँचना को अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। एक विद्वान अथक अभ्यास परिश्रम से विद्वान बनता है। उसके पास कोई संजीवनी नहीं है कि वह बिना पढ़े लिखे ही विद्वान घोषित कर दिया जाता है। इसके पीछे उसका परिश्रम और अभ्यास ही है। अभ्यास के बल पर ही एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के समर्थ वैयाकरण सिद्ध हुए। बोपदेव की कहानी प्रसिद्ध है। गुरु के आश्रम से वह निराश होकर जा रहे थे कि विद्या उसके भाग्य में नहीं है। मार्ग में उसने कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे। बस, उन्हें यह समझ में आ गया कि बार-बार घीसने से अगर पत्थर पर निशान हो सकते है तो, बार-बार अभ्यास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अतः इसलिए कहा गया है कि करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥

समुद्र तट की सैर

मैं अपने परिवार के साथ चेन्नई घूमने गया। वहाँ पहुँचकर हम सभी शाम के समय समुद्र-तट की सैर पर निकले। इस समुद्र-तट की बात ही निराली है। चेन्नई में चारों ओर हरियाली ही हरियाली है। जब हम समुद्र-तट पर पहुँचे, तो सूर्यास्त होने वाला था। चारों ओर सुनहरी लालिमा फैली हुई थी। हल्की ठंडी हवा चल रही थी। समुद्र की लहरें उछल-उछलकर तट की ओर आतीं और उसे छूकर वापस चली जातीं। इतना मनोरम दृश्य देखकर मेरा

मन प्रसन्नता से झूम उठा। हम सभी प्रकृति की सुषमा को निहार रहे थे। मैं भी उन उठती-गिरती लहरों के साथ खेलने लगा।
वहीं मेरी बहन ने बहुत-से शंख और सीपियाँ इकट्ठे किए, सबने मिलकर नारियल पानी का आनंद लिया। समुद्र तट की यह सैर मेरे लिए जीवन भर के लिए यादगार बन गई।

प्र. 11. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।

रामदेवी छात्रालय
सुभाष मार्ग
नागपुर ।
22 फरवरी 20..

आदरणीय माताजी
सादर प्रणाम।

मैं यहाँ ठीक हूँ। आशा करती हूँ, आप सब वहाँ सकुशल होगे।
आप सबको छोड़कर पहली बार अकेली रह रही हूँ। मुझे आप सभी की बहुत याद आती है। पहले दो - तीन दिन जरा भी मन नहीं लगा परंतु अब बहुत-सी लड़कियाँ मेरी सहेलियाँ बन गई है। यहाँ के शिक्षक भी बहुत अच्छे है। कपड़े धोना, बिस्तर लगाना, सभी वस्तुएँ ठीक जगह पर रखना मैं सीख रही हूँ। मैं यहाँ मन लगाकर पढ़ रही हूँ।
पिताजी को मेरा प्रणाम और छोटी को प्यार देना।

तुम्हारी लाड़ली
मीना

आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्तिथि की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

28, नटेशन स्ट्रीट,
विजय नगर
नई दिल्ली
दिनाँक :15 अप्रैल, 20

सेवा में
मुख्य अधिकारी
नगर निगम
नई दिल्ली

विषय - अपने क्षेत्र की सड़कों की खराब व्यवस्था के बारे में।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं विजय नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जिसमें पानी भर जाने की वजह से मच्छर बढ़ की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना भी बढ़ने लगी है।

आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय
किशोर सान्याल

प्र. 12. दो स्त्रियों के बीच पानी की समस्या को लेकर बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए : 5

राधिका : अरे ! सोहन की माँ सुनती हो?

मधु : हाँ बोलो।

राधिका : आज फिर पानी नहीं आया।

मधु : हाँ, यह तो रोज का ही रोना हो गया है।

राधिका : हम मोहल्ले को मिलकर नगरपालिका ऑफिस में शिकायत करनी चाहिए।

मधु : तुम सही कह रही हो।

राधिका : आज में सेक्रेटरी साहब से कहकर मीटिंग बुलवाती हूँ।

मधु : हाँ, सब मिलकर कुछ समाधान निकाल लेंगे।

राधिका : चलो बहन, फिर मैं सेक्रेटरी साहब से बात कर आती हूँ।

मधु : अच्छा, ठीक है।